

ALL JUDICIAL EXAMS

Part 17

Evidence Act, 1872

साक्ष्य अधिनियम

Section 32-33

Dying Declaration मृत्युकालिक घोषणा



#Judiciary

By Poonam Sha

Cases in which statement of relevant fact by person who is dead or
cannot be found, etc., is relevant (Section 32)

- (1) \rightarrow death
- (2) \rightarrow course of business
- (3) \rightarrow interest
- (4) \rightarrow opinion – public right/custom/general inter.
- (5) \rightarrow relationship – (S-SD)
- (6) \rightarrow will / deed
- (7) \rightarrow doc. w/s (13)
- (8) \rightarrow made by s/o express feeling

Cases in which statement of relevant fact by person who is dead or cannot be found, etc., is relevant (Section 32)

वे दशाएँ जिनमें उस व्यक्ति द्वारा सुसंगत तथ्य का किया कथन सुसंगत है, जो मर गया है या ~~मिल नहीं सकता, इत्यादि-~~ ①

Statements, ~~written or verbal~~, of relevant facts made by a person who is dead, or who cannot be found, or who has become incapable of giving evidence, or whose attendance cannot be procured without an amount of delay or expense which, under the circumstances of the case, appears to the Court unreasonable, are themselves relevant facts in the following cases :- ② ③ ④

सुसंगत तथ्यों के लिए ① या मौखिक कथन, जो ऐसे व्यक्ति द्वारा किए गए थे, जो मर गया है या मिल नहीं सकता है या जो साक्ष्य देने के लिए असमर्थ हो गया है या जिसकी हाजिरी इतने विलम्ब या व्यय के बिना उपाप्त नहीं की जा सकती, जितना मामले की परिस्थितियों में न्यायालय को अयुक्तियुक्त प्रतीत होता है निम्नलिखित दशाओं में स्वयंमेव सुसंगत है :- ⑤

(1) when it relates to cause of death -

When the statement is made by a person as to the cause of his death, or as to any of the circumstances of the transaction which resulted in his death, in cases in which the cause of that person's death comes into question.

Such statements are relevant whether the person who made them was or was not, the time when they were made, under expectation of death, and whatever may be the nature of the proceeding in which the cause of his death comes into question.

(1) जबकि वह मृत्यु के कारण से संबंधित है -

जबकि वह कथन किसी व्यक्ति द्वारा अपनी मृत्यु के कारण के बारे में या उस संव्यवहार की किसी परिस्थिति के बारे में किया गया है, जिसके फलस्वरूप उसकी मृत्यु हई, तब उन सामलों में, जिनमें उस व्यक्ति की मृत्यु का कारण प्रश्नगत हो।

ऐसे कथन सुसंगत हैं चाहे उस व्यक्ति को, जिसने उन्हें किया है, उस समय जब वे किए गए थे, मृत्यु की प्रत्याशंका थी या नहीं और चाहे उस कार्यवाही की, जिसमें उस व्यक्ति की मृत्यु का कारण प्रश्नगत होता है, प्रकृति कैसी ही क्यों न हो।

(2) or is made in course of business -

When the statement was made by such person in the ordinary course of business, and in particular when it consists of any entry or memorandum made by him in books kept in the ordinary course of business, or in the discharge of professional duty; or of an acknowledgment written or signed by him of the receipt of money, goods, securities of property of any kind; or of a document used in commerce, written or signed by him; or of the date of a letter or other document usually dated, written or signed by him.

(2)अथवा कारबार के अनुक्रम में किया गया है

जबकि वह कथन ऐसे व्यक्ति द्वारा कारबार के मामूली अनुक्रम में किया गया था तथा विशेषतः जबकि वह, उसके द्वारा कारबार के मामूली अनुक्रम में या वृत्तिक कर्तव्य के निर्वहन में रखी जाने वाली पुस्तकों में उसके द्वारा की गई किसी प्रविष्टि या किए गए जापन के रूप में है, अथवा उसके द्वारा धन, माल, प्रतिभूतियों या किसी भी किस्म की संपत्ति की प्राप्ति की लिखित या हस्ताक्षरित अभिस्वीकूति है, अथवा 'वाणिज्य में उपयोग में आने वाली उसके द्वारा लिखित या हस्ताक्षरित किसी दस्तावेज के रूप में है अथवा किसी पत्र या अन्य दस्तावेज की तारीख के रूप में है, जो कि उसके द्वारा प्रायः दिनांकित, लिखित या हस्ताक्षरित की जाती थी।

(3) or against interest of maker -

When the statement is against the pecuniary or proprietary interest of the person making it, or when, if true, it would expose him or would have exposed him to a criminal prosecution or to a suit for damages.

(3)अथवा करने वाले के हित के विरुद्ध है - जबकि वह कथन उसे करने वाले व्यक्ति के धन संबंधी या साम्पत्तिक हित के विरुद्ध है या जबकि यदि वह सत्य हो, तो उसके कारण उस पर दाण्डिक अभियोजन या नुकसानी का वाद लाया जा सकता है या लाया जा सकता था।

(4) or gives opinion as to public right or custom, or matters of general interests - When the statement gives the opinion of any such person, as to the existence of any public right or custom or matter of public or general interest, of the existence of which, if it existed, he would have been likely to be aware, and when such statement was made before any controversy as to such right, custom or matter had arisen.

(4)अथवा लोक अधिकार या रुढ़ि के बारे में या साधारण हित के विषयों के बारे में कोई राय देता है - जबकि उस कथन में उपर्युक्त व्यक्ति की राय किसी ऐसे लोक अधिकार या रुढ़ि अथवा लोक या साधारण हित के विषय के अस्तित्व के बारे में है, जिसके अस्तित्व से, यदि वह अस्तित्व में होता तो उससे उस व्यक्ति का अवगत होना संभाव्य होता और जब कि ऐसा कथन ऐसे किसी अधिकार, रुढ़ि या बात के बारे में किसी संविवाद के उत्पन्न होने से पहले किया गया था।

(5) or relates to existence of relationship - When the statement relates to the existence of any relationship by blood, marriage or adoption between persons as to whose relationship by blood, marriage or adoption the person making the statement had special means of knowledge, and when the statement was made before the question in dispute was raised

(5)अथवा नातेदारी के अस्तित्व से संबंधित हैं - जबकि वह कथन किन्हीं ऐसे व्यक्तियों के बीच रक्त, विवाह या दत्तकग्रहण पर आधारित किसी नातेदारी के अस्तित्व के संबंध में हैं, जिन व्यक्तियों की रक्त, विवाह या दत्तकग्रहण पर आधारित नातेदारी के बारे में उस व्यक्ति के पास, जिसने वह कथन किया है, जान के विशेष साधन थे और जबकि वह कथन विवादग्रस्त प्रश्न के उठाए जाने से पूर्व किया गया था।

(6) or is made in Will or deed relating to family affairs - When the statement relates to the existence of any relationship by blood, marriage or adoption between persons deceased, and is made in any Will or deed relating to the affairs of the family to which any such deceased person belonged, or in any family pedigree, or upon any tombstone, family portrait or other thing on which such statements are usually made, and when such statement was made before the question in dispute was raised.

(6)अथवा कौटम्बिक बातों से संबंधित विल या विलेख में किया गया है -
जबकि वह कथन मृत व्यक्तियों के बीच रक्त, विवाह या दत्तकग्रहण पर आधारित किसी नातेदारी के अस्तित्व के संबंध में है और उस कुटम्ब की बातों से जिसका ऐसा मृत व्यक्ति अंग था, सम्बन्धित किसी विल या विलेख में या किसी कुटम्ब वंशावली में या किसी समाधिप्रस्तर, कुटम्ब-चित्र या अन्य चीजों पर जिन पर ऐसे कथन प्रायः किए जाते हैं, किया गया है, और जबकि ऐसा कथन विवादग्रस्त प्रश्न के उठाए जाने से पूर्व किया गया था।

(7) or in document relating to transaction mentioned in section 13, clause (a) - When the statement is contained in any deed, Will or other document which relates to any such transaction as is mentioned in section 13, clause (a).

(7)अथवा धारा 13, खण्ड (क) में वर्णित संव्यवहार से संबंधित दस्तावेज में किया गया है - जबकि वह कथन किसी ऐसे विलेख, विल या अन्य दस्तावेज में अंतर्विष्ट है, जो किसी ऐसे संव्यवहार से संबंधित है जैसा धारा 13, खण्ड (क) में वर्णित है।

(8) or is made by several persons and expresses feelings relevant to matter in question - When the statement was made by a number of persons, and expressed feelings or impressions on their part relevant to the matter in question.

(8) अथवा कई व्यक्तियों द्वारा किया गया है और प्रश्नगत बात से सुसंगत भावनाएं अभिव्यक्त करता है - जब कि वह कथन कई व्यक्तियों द्वारा किया गया था और प्रश्नगत बात से सुसंगत उनकी भावनाओं या धारणाओं को अभिव्यक्त करता है।

Case laws) 1) Pakla Narayan Swami v. Emperor AIR 1939

- 2) Queen epress v. Abdulla (1885)
- 3) Kaushal Roy v. State of Bombay AIR 1958.
- 4) Dalbir Singh v. State of Haryana AIR 1987.

Illustrations

(a) The question is, whether A was murdered by B; or

A dies of injuries received in a transaction in the course of which she was ravished. The question is, whether she was ravished by B; or The question is, whether A was killed by B under such circumstances that a suit would lie against B by A's widow.

Statements made by A as to the cause of his or her death, referring respectively to the murder, the rape, and the actionable wrong under consideration, are relevant facts.

(b) The question is as to the date of A's birth.

An entry in the diary of a deceased surgeon, regularly kept in the course of business, stating that, on a given day, he attended A's mother and delivered her of a son, is a relevant fact.

टृष्टान्त

(क) प्रश्न यह है कि क्या क की हत्या ख द्वारा की गई थी, अथवा

क की मृत्यु किसी संव्यवहार में हुई क्षतियों से हुई है, जिसके अनुक्रम में उससे बलात्संग किया गया था। प्रश्न यह है कि क्या उससे ख द्वारा बलात्संग किया गया था, अथवा

प्रश्न यह कि क्या क, ख द्वारा ऐसी परिस्थितियों में मारा गया था कि क की विधवा द्वारा ख पर वाद लाया जा सकता है।

अपनी मृत्यु के कारण के बारे में क द्वारा किए गए वे कथन जो उसने क्रमशः विचाराधीन हत्या, बलात्संग और अन्योज्य दोष को निर्दोशित करते हुए किए हैं, सुसंगत तथ्य हैं।

(ख) प्रश्न क के जन्म की तारीख के बारे में है।

एक मृत शल्य-चिकित्सक की अपने कारबार के मामली अनुक्रम में नियमित रूप में रखी जाने वाली डायरी में इस कथन की प्रविष्टि कि अमुक दिन उसने क की माता की परिचर्या की और उसे पुत्र का प्रसव कराया, सुसंगत तथ्य है।

Illustrations

(c) The question is, whether A was in Calcutta on a given day.

A statement in the diary of a deceased solicitor, regularly kept in the course of business, that, on a given day, the solicitor attended A at a place mentioned, in Calcutta, for the purpose of conferring with him upon specified business, is a relevant fact.

(d) The question is, whether a ship sailed from Bombay harbour on a given day.

A letter written by a deceased member of a merchant's firm, by which she was chartered, to their correspondents in London to whom the cargo was consigned, stating that the ship sailed on a given day from Bombay harbour, is a relevant fact.

ट्रॉटान्ट

(ग) प्रश्न यह है कि क्या किसी कारबार के मामूली अनुक्रम में नियमित रूप से रखी गई मृत सोलिसिटर की डायरी में यह कथन कि अमुक दिन वह सोलिसिटर कारबार के बारे में एक वर्णित स्थान पर विनिर्दिष्ट कारबार के पास रहा।

सुसंगत तथ्य है।

(घ) प्रश्न यह है कि क्या कोई पोत मुम्बई बंदरगाह से अमुक दिन रवाना हुआ।

किसी वाणिज्यिक फर्म के, जिसके द्वारा वह पोत भाड़े पर लिया गया था, मृत भागीदार द्वारा लंदन स्थित अपने सम्पर्कियों को जिन्हें वह स्थोरा परेषित किया गया था, यह कथन करने वाला पत्र कि पोत मुम्बई बंदरगाह से अमुक दिन चल दिया, सुसंगत तथ्य है।

Illustrations

(e) The question is, whether rent was paid to A for certain land.

A letter from A's deceased agent to A, saying that he had received the rent on A's account and held it at A's orders, is a relevant fact.

(f) The question is, whether A and B were legally married.

The statement of a deceased clergyman that he married them under such circumstances that the celebration would be a crime, is relevant.

टृष्टान्त

(ङ) प्रश्न यह है कि क्या क को अमुक भूमि का भाटक दिया गया था।

क के मृत अभिकर्ता क के नाम पत्र जिसमें यह कथन हैं कि उसने क के निमित्त भाटक प्राप्त किया है और वह उसे क के आदेशाधीन रखे हुए है, सुसंगत तथ्य है।

(च) प्रश्न यह है कि क्या क और ख का विवाह वैध रूप से हुआ था।

एक मृत पादरी का यह कथन कि उसने उनका विवाह ऐसी परिस्थितियों में कराया था, जिनमें उसका कराना अपराध होता है, सुसंगत है।

Illustrations

(g) The question is, whether A, a person who cannot be found, wrote a letter on a certain day. The fact that a letter written by him is dated on that day, is relevant.

(h) The question is, what was the cause of the wreck of a ship.

A protest made by the Captain, whose attendance cannot be procured, is a relevant fact.

(i) The question is, whether a given road is a public way.

A statement by A, a deceased headman of the village, that the road was public, is a relevant fact.

टृष्टान्त

(छ) प्रश्न यह है कि क्या एक व्यक्ति कौन ने, जो मिल नहीं सकता अमुक दिन एक पत्र लिखा था। यह तथ्य कि उसके द्वारा लिखित एक पत्र पर उस दिन की तारीख दिनांकित है, सुसंगत है।

(ज) प्रश्न यह है कि किसी पोत के ध्वंस का कारण क्या है। कप्तान द्वारा, जिसकी हाजिरी उपाप्त नहीं की जा सकती, दिया गया प्रसाक्ष्य सुसंगत तथ्य है।

(झ) प्रश्न यह है कि क्या अमुक सड़क लोक-मार्ग है। ग्राम के मृत ग्रामीण कौन के द्वारा किया गया कथन कि वह सड़क लोक मार्ग है, सुसंगत तथ्य है।

Illustrations

(j) The question is, what was the price of grain on a certain day in a particular market.

A statement of the price, made by a deceased banya in the ordinary course of his business, is a relevant fact.,

(k) The question is, whether A, who is dead, was the father of B.

A statement by A that B was his son, is a relevant fact.

(l) The question is, what was the date of the birth of A.

A letter from A's deceased father to a friend, announcing the birth of A on a given day, is a relevant fact.

टृष्णान्त

(ज) प्रश्न यह है कि विशेष बाजार में अमुक दिन अनाज की क्या कीमत थी।

एक मृत बनिए द्वारा अपने कारबार के मामूली अनुक्रम में किया गया कीमत का कथन सुसंगत तथ्य है।

(ट) प्रश्न यह है कि क्या क, जो मर चुका है, ख का पिता था।

क द्वारा किया गया यह कथन कि ख उसका पुत्र है,
सुसंगत तथ्य है।

(ठ) प्रश्न यह है कि क के जन्म की तारीख क्या है।

क के मृत पिता द्वारा किसी मित्र को लिखा हुआ पत्र, जिसमें यह बताया गया है कि क का जन्म अमुक दिन हुआ, सुसंगत तथ्य है।

Illustrations

(m) The question is, whether, and when, A and B were married.

An entry in a memorandum-book by C, the deceased father of B, of his daughter's marriage with A on a given date, is a relevant fact.

~~(n) A sues B for a libel expressed in a painted caricature exposed in a shop window.~~

The question is as to the similarity of the caricature and its libellous character.

The remarks of a crowd of spectators on these points may be proved.

टृष्णान्त

(ड) प्रश्न यह है कि क्या और कब क और ख का विवाह हुआ था।

ख के मृत पिताग द्वारा किसी याददाश्त-
पुस्तक में अपनी पुत्री का के साथ
अंमुक तारीख को विवाह होने की प्रविष्टि
सुसंगत तथ्य है।

(ठ) दुकान की खिड़की में अभिदर्शित रंगित
उपहासांकन में अभिव्यक्त अपमान-लेख के
लिए ख पर क वाद लाता है। प्रश्न
उपहासांकन की समरूपता तथा उसके
अपमान लेखीय प्रकृति के बारे में है। इन
बातों पर दर्शकों की भीड़ की टिप्पणियाँ
साबित की जा सकेंगी।

Illustrations

(m) The question is, whether, and when, A and B were married.

An entry in a memorandum-book by C, the deceased father of B, of his daughter's marriage with A on a given date, is a relevant fact.

(n) A sues B for a libel expressed in a painted caricature exposed in a shop window.

The question is as to the similarity of the caricature and its libellous character.

The remarks of a crowd of spectators on these points may be proved.

टृष्णान्त

(ड) प्रश्न यह है कि क्या और कब का और ख का विवाह हुआ था।

ख के मृत पिता ग द्वारा किसी याददाश्त-पुस्तक में अपनी पुत्री का के साथ अँमुक तारीख को विवाह होने की प्रविष्ट सुसँगत तथ्य है।

(ढ) दुकान की खिड़की में अभिदर्शित रंगित उपहासांकन में अभिव्यक्त अपमान-लेख के लिए ख पर का वाद लाता है। प्रश्न उपहासांकन की समरूपता तथा उसके अपमान लेखीय प्रकृति के बारे में है। इन बातों पर दर्शकों की भीड़ की टिप्पणियाँ साबित की जा सकेंगी।

Provided -

- that the proceeding was between the same parties or their representatives in interest;
- that the adverse party in the first proceeding had the right and opportunity to cross-examine;
- that the questions in issue were substantially the same in the first as in the second proceeding.

Explanation - A criminal trial or inquiry shall be deemed to be a proceeding between the prosecutor and the accused within the meaning of this section.

परन्तु यह तब जबकि --

- वह कार्यवाही उन्हीं पक्षकारों या उनके हित प्रतिनिधियों के बीच में थी,
- प्रथम कार्यवाही में प्रतिपक्षी को प्रतिपरीक्षा का अधिकार और अवसर था,
- विवादय प्रश्न प्रथम कार्यवाही में सारतः वही थे, जो द्वितीय कार्यवाही में हैं।

स्पष्टीकरण -

दाण्डिक विचारण या जांच इस धारा के अर्थ के अंतर्गत अभियोजक और अभियुक्त के बीच कार्यवाही समझी जाएगी

Provided -

S-33 Relevancy of evidence:-

- that the proceeding was between the same parties or their representatives in interest;
- that the adverse party in the first proceeding had the right and opportunity to cross-examine;
- that the questions in issue were substantially the same in the first as in the second proceeding.

Explanation - A criminal trial or inquiry shall be deemed to be a proceeding between the prosecutor and the accused within the meaning of this section.

परन्तु यह तब जबकि --

- वह कार्यवाही उन्हीं पक्षकारों या उनके हित प्रतिनिधियों के बीच में थी,
- प्रथम कार्यवाही में प्रतिपक्षी को प्रतिपरीक्षा का अधिकार और अवसर था,
- विवाद्य प्रश्न प्रथम कार्यवाही में सारतः वही थे, जो द्वितीय कार्यवाही में हैं।

स्पष्टीकरण -

दाण्डिक विचारण या जांच इस धारा के अर्थ के अंतर्गत अभियोजक और अभियुक्त के बीच कार्यवाही समझी जाएगी

→ witness → dead, not found, Incapable, Kept out of presence - ⑤

Old paper
11.00
2013



RJS 2024

Prelim Course

Free



Poonam Sha

IEEA
16 classes
CPC
9 classes

DOWNLOAD
UMMEED CLASSES APP & ENROLL

Thanks for Watching!

LIKE, COMMENT AND SHARE



Ummeed Classes
Ummeed Classes



Download



INDIA'S BEST

HINDI + ENGLISH

BATCH

ADMISSION OPEN

सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए

UMMEED
Classes.com



9269100222



By Poonam Sha



SUBSCRIBE

